TNF® TODAY
Trial Edition
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

गहरे कुएं में गिरी महिला का सुरक्षित रेस्क्यू (पेज-4)

वर्ष-० अंक-० | मूल्य ₹00 | मंगलवार | दिनांक- 09.06.2026

अतिक्रमण हटाता महाबली

सिकंदरा सब्जी मंडी से थाने तक चला बुलडोजर

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और नगर निगम की टीम ने सोमवार को सिकंदरा सब्जी मंडी से लेकर सिकंदरा थाना तक संयुक्त रूप से बड़ा अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाई। तीन घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान सर्विस रोड पर अवैध रूप से लगाए गए आधा दर्जन खोखे और साइनेज जब्त किए गए जबकि तीन दर्जन ठेला विक्रेताओं को मौके से हटाया गया। इस दौरान कुछ दुकानदारों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए हंगामा भी किया लेकिन भारी पुलिस बल और मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली और मुहिम लगातार जारी रही।

नेशनल हाईवे उन्नीस स्थित सिकंदरा सब्जी मंडी के पास सुबह और शाम के समय भीषण जाम की स्थिति बन रही थी जिसकी शिकायतें लगातार नगर निगम के अधिकारियों को मिल रही थीं। इसके बाद सोमवार दोपहर निगम और एनएचएआइ की टीम बैकहो लोडर के साथ मौके पर पहुँची।

टीम ने सिकंदरा मंडी से सिकंदरा थाना तक सर्विस रोड पर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया। इस दौरान अस्थायी काउंटर खोखे दुकानों के सामने निकाले गए टिनशेड विज्ञापन बोर्ड और अन्य अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के दुकानदारों में खलबली मच गई। दुकानदारों द्वारा सड़क पर सामान फैलाने और अस्थायी ढांचे खड़े करने से मार्ग की चौड़ाई बेहद कम हो गई थी जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

कार्रवाई के दौरान एक बिल्डिंग मैटेरियल विक्रेता ने कर्मचारियों के साथ जमकर बहस की और काम रोकने का प्रयास किया। इस विक्रेता ने सड़क पर ही निर्माण सामग्री फैला रखी थी जिससे यातायात बाधित हो रहा था। एनएचएआइ के दुर्घटना मैनेजर दीपक खटाना ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि यदि दुकानदारों ने दोबारा सड़कों पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया तो उनके खिलाफ और अधिक सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस विशेष मुहिम की टीम में मुख्य रूप से प्रवर्तन प्रभारी कर्नल राहुल गुप्ता शामिल रहे।

जनप्रतिनिधियों ने

सराहा नगर निगम का अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल

● टीनएफ टुडे ●

कुबेरपुर आईडब्ल्यूएमसी और वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का मेयर संग पार्षदों ने किया भ्रमण

आगरा। केंद्र सरकार के बारह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को नगर निगम द्वारा कुबेरपुर स्थित इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी का विशेष अध्ययन भ्रमण आयोजित किया गया। महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर निगम के पार्षदों ने आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और निर्माणाधीन वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का निरीक्षण कर उसकी कार्यप्रणाली को करीब से समझा। इस दौरान पर्यावरण अभियंता पंकज भूषण और अन्य अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों को नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। भ्रमण के दौरान पार्षदों को बताया गया कि आगरा शहर से प्रतिदिन निकलने वाले ठोस अपशिष्ट का संग्रहण, परिवहन, पृथक्करण, प्रसंस्करण और वैज्ञानिक निस्तारण किस प्रकार किया जाता है। अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नगर निगम द्वारा अपनाई जा रही विभिन्न श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि नगर निगम ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए एक समेकित एवं टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली विकसित की है जो अन्य नगर निकायों के लिए भी एक मॉडल के रूप में स्थापित हो रही है।

जनप्रतिनिधियों को कुबेरपुर स्थित निर्माणाधीन वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का भी भ्रमण कराया गया। अधिकारियों ने संयंत्र की तकनीकी विशेषताओं, संचालन प्रणाली और इससे होने वाले पर्यावरणीय लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि यह अत्याधुनिक परियोजना प्रतिदिन प्राप्त होने वाले ठोस अपशिष्ट से पच्चीस मेगावाट विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करने में सक्षम होगी। इसके शुरू होने से शहर में अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण को नई गति मिलेगी, साथ ही ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। अधिकारियों के अनुसार परियोजना का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और वर्ष दो हजार छब्बीस के अंत तक इसके पूर्ण होकर संचालन में आने की संभावना है। अध्ययन भ्रमण के दौरान पार्षदों ने संसाधन पुनर्प्राप्ति, लिगेसी वेस्ट के निस्तारण, जैविक अपशिष्ट प्रसंस्करण तथा वेस्ट टू एनर्जी तकनीक से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों से कई तकनीकी प्रश्न भी पूछे। जनप्रतिनिधियों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित यह व्यवस्था आगरा को स्वच्छ, हरित और सतत शहर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के अंत में महापौर ने परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारी, पर्यावरण प्रकोष्ठ के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में पार्षद उपस्थित रहे।

कुबेरपुर स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और आईडब्ल्यूएमसी का निरीक्षण करते महापौर एवं पार्षदगण का दृश्य।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर प्रशासन सख्त

दस जून तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। जनगणना कार्य में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सूरसदन सभागार में लोहामंडी एवं ताजगंज जोन में चल रहे जनगणना कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें दोनों जोन के प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के कार्यों का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के दौरान कार्य की गति संतोषजनक न पाए जाने पर कर्मचारियों को कड़ी चेतावनी दी गई। बैठक में जनगणना अधिकारी नगर शिशिर कुमार ने स्पष्ट कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो प्रगणक एवं सुपरवाइजर अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता से नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समयसीमा का इंतजार किए बिना अपने कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें।

उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जनगणना कार्य पूर्ण करने के लिए बीस जून तक का समय निर्धारित किया गया है लेकिन सभी कर्मचारी दस जून तक अपने क्षेत्र का कार्य पूरा करने का लक्ष्य बनाएं। समय से पहले कार्य पूर्ण होने से न केवल जिले की प्रगति बेहतर होगी बल्कि शासन स्तर पर भी सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने समीक्षा के दौरान कहा कि कुछ कर्मचारियों की उदासीनता के कारण जिले की रैंकिंग प्रभावित हो रही है जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सभी प्रगणकों और सुपरवाइजरों से जिम्मेदारी एवं तत्परता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से क्षेत्रीय निरीक्षण कर प्रगति की निगरानी करें और जहां भी कार्य में शिथिलता दिखाई दे तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति, घर-घर सर्वेक्षण, डेटा संकलन तथा लंबित कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई पुलिस भर्ती परीक्षा

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। उत्तर प्रदेश पुलिस लिखित परीक्षा सोमवार को बेहद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। शहर के कुल अट्ठाइस परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई इस परीक्षा में पहले ही दिन बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों ने दूरी बना ली जिसके चलते कुल दो हजार नौ सौ तिरपन अभ्यर्थी पहली पाली में अनुपस्थित दर्ज किए गए। शासन के निर्देशानुसार परीक्षा को पूरी तरह शुचितापूर्ण और पारदर्शी बनाने के लिए सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम किए गए थे। परीक्षा केंद्रों के बाहर और भीतर भारी पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पहली पाली की परीक्षा सुबह दस बजे से दोपहर बारह बजे तक आयोजित की गई थी जिसके लिए जिले में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं। इस पाली के लिए कुल बारह हजार सात सौ अड़सठ अभ्यर्थियों को आवंटित केंद्र पर शामिल होना था लेकिन परीक्षा शुरू होने पर कई सीटें खाली नजर आईं और केवल नौ हजार आठ सौ पंद्रह अभ्यर्थी ही परीक्षा में बैठे। इस बार पुलिस भर्ती परीक्षा को पूरी तरह फुलप्रूफ बनाने के लिए प्रशासन ने एक अनोखा और सख्त कदम उठाया। गड़बड़ी और मुन्नाभाइयों को रोकने के लिए न केवल अभ्यर्थियों की बल्कि परीक्षा केंद्र के व्यवस्थापक और वहां तैनात सभी कर्मचारियों की भी बायोमीट्रिक हाजिरी कराई गई। ऐसा पहली बार किया गया है ताकि केंद्र के अंदर का कोई भी स्टाफ किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि में शामिल न हो सके। परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही सतर्कता रही और सघन चेकिंग तथा तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे को पार करने के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।

परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करते प्रशासनिक अधिकारी।

मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त और जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

आगरा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की लिखित परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सोमवार को जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंडलायुक्त एवं पुलिस आयुक्त के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय और आगरा कॉलेज सहित विभिन्न केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, सीटिंग अरेंजमेंट और प्रवेश व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया और सीटिंग प्लान का अवलोकन किया। वर्तमान में जारी भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने द्वितीय पाली के अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश द्वार पर ग्रीन नेट अथवा शेड लगाने, शीतल पेयजल, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा बायोमेट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था छायादार स्थान पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड की गाइडलाइन का अक्षरशः पालन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बायोमेट्रिक उपस्थिति सहित तकनीकी व्यवस्थाओं के माध्यम से परीक्षा की शुचिता बनाए रखी जाएगी तथा नकल या अन्य अनुचित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम एवं स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण कर निगरानी व्यवस्था को सतत सक्रिय रखने के निर्देश दिए। जनपद में यह परीक्षा कुल अट्ठाइस केंद्रों पर आयोजित की जा रही है और प्रत्येक पाली में बारह हजार सात सौ अड़सठ अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित हो रही है जिसमें प्रथम पाली प्रातः दस बजे से दोपहर बारह बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न तीन बजे से सायं पांच बजे तक आयोजित की जा रही है। इस निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी यमुनाधर चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जन संपादकीय

मौत का लाइसेंस ये हादसे नहीं प्रशासनिक हत्याएं हैं

निगरानी की नाकामी और जवाबदेही की चिता पर खड़ा वर्तमान भारत

आगरा चौपाटी पर झूले का सुरक्षा ताला खुला और एक नौजवान ने असमय ही इस संसार से विदा ले ली। बेलनगंज क्षेत्र में भवन निर्माण की खुदाई के समय पूरी की पूरी बैंक धराशायी हो गई। आए दिन जूता निर्माणशालाओं में आग लग रही है और घटिया रखरखाव के कारण लिफ्टों में निर्दोष लोग फंस रहे हैं। एक्सप्रेसवे पर होने वाले दैनिक हादसों की संख्या अब गिनती से पूरी तरह बाहर हो चुकी है। इस क्रूर और संवेदनहीन व्यवस्था के चंगुल से बाहर सिर्फ राजनेता हैं जो केवल उठावनी या मृत्यु भोज में ही अपनी उपस्थिति दर्ज कराने पहुंचते हैं। रात गहरी होती है समूचा शहर सो जाता है लेकिन कहीं न कहीं कोई न कोई इमारत ऐसी अवश्य होती है जो विनाशकारी आग का इंतजार कर रही होती है। कोई सेतु होता है जो अपने अंतिम सहारे पर टिका होता है। किसी विनिर्माणशाला का बॉयलर अपनी अंतिम सीमा पार कर चुका होता है। किसी भंडार गृह में सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही होती हैं और किसी सरकारी संचिका यानी फाइल पर वह अंतिम प्रशासनिक हस्ताक्षर हो चुका होता है जो यह सुनिश्चित करता है कि महाविनाश होने पर भी जिम्मेदार कोई नहीं होगा।

अगली सुबह समाचार पत्रों में मुख्य खबर प्रकाशित होती है और हम सब अपनी सुविधानुसार उसे महज एक दुर्घटना कह देते हैं लेकिन कडवा सच यह है कि वह कोई आकस्मिक दुर्घटना नहीं होती है। वह वास्तव में एक लंबी भ्रष्ट प्रक्रिया का अंतिम भयावह दृश्य होता है जिसमें लालच लापरवाही और मिलीभगत वर्षों तक समानांतर चलते हैं। चार दशक पहले भोपाल गैस महात्रासदी ने समूचे संसार को झकझोर कर रख दिया था जब हजारों लोग जहरीली गैस के बादलों में घुट-घुट कर असमय काल के गाल में समा गए थे। समूचे विश्व ने उस महाविनाश से बहुत बड़ा सबक सीखा सुरक्षा नियम मजबूत किए और जवाबदेही के नए मानक तय किए परंतु भारत ने उससे क्या सीखा यह असहज प्रश्न आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना वर्ष 1984 में था। देश की राजधानी के एक विश्राम गृह में इक्कीस लोग जिंदा जल गए और बाद में पता चला कि सिर्फ छह कमरों की अनुमति पर पच्चीस कमरे संचालित हो रहे थे जहां अग्नि सुरक्षा का कोई प्रमाण पत्र नहीं था निकास द्वार बंद थे और खिड़कियां पूरी तरह जाम थीं। वहां निरीक्षण भी नियमित हुए थे कागजी औपचारिकताएं भी पूरी थीं फाइलें भी चलती रहीं बस यदि कुछ गायब था तो वह केवल इंसानी सुरक्षा थी।

छत्तीसगढ़ के बिजली संयंत्र में बॉयलर फटा और अनेक श्रमिक मारे गए। गुजरात के मोरबी में मरम्मत के तुरंत बाद खोला गया केबल सेतु टूट गया और एक सौ पैंतीस निर्दोष लोग नदी में समा गए। राजकोट के गेमिंग जोन में जब आग धधकी तो अवैध निर्माण की काली परतें खुलने लगीं। महाराष्ट्र और पंजाब में जहरीली शराब निरंतर गरीबों की जान लेती रही। इन सभी घटनाओं के स्थान अलग थे लेकिन सबका मुख्य कारण एक ही था नियमों को अपने निहित स्वार्थ के लिए बोझ समझने वाली हमारी प्रशासनिक व्यवस्था। इतिहास हमें बार-बार सचेत करता रहा है जब वर्ष 1995 में हरियाणा के डबवाली में स्कूल के उत्सव के समय पंडाल में आग लगने से तीन सौ से अधिक लोग मारे गए थे जिनमें अधिकांश मासूम बच्चे थे। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा में उनसठ लोग फिल्म देखने गए थे जो कभी अपने घर लौटकर नहीं आए क्योंकि बंद निकास और सुरक्षा नियमों की अनदेखी ने उन्हें मौत के हवाले कर दिया था। वर्ष 2001 में तमिलनाडु के एरवादी में मानसिक रोगियों को जंजीरों से बांधकर रखा गया था जिसके कारण आग लगने पर वे भाग भी नहीं सके और अट्ठाईस लोग जिंदा जल गए। वर्ष 2004 में कुंभकोणम के विद्यालय में घास फूस की छत और संकरी सीढ़ियां चौरानवे बच्चों की चिता बन गईं और वर्ष 2011 में कोलकाता का अस्पताल जो जीवन बचाने के लिए बना था वह स्वयं पचानवे लोगों के लिए मौत का जाल बन गया।

इस प्रशासनिक महामारी के लक्षण बेहद परिचित हैं जहां अपनी काली कमाई के लिए नियमों को विकास विरोधी बता दिया जाता है और सरकारी निरीक्षण को अपनी अवैध आय का मुख्य स्रोत बना लिया जाता है। आम जनता की शिकायतों को फाइलों के नीचे दबा दिया जाता है और हर समय मिलने वाली चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर पहले एक बड़े हादसे का इंतजार किया जाता है। जब कोई भयंकर घटना घटित हो जाती है तो जनता के आक्रोश को शांत करने के लिए एक जांच समिति का गठन कर दिया जाता है और कुछ बहुत ही छोटे स्तर के कर्मचारियों को निलंबित कर मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है और फिर अगले किसी बड़े हादसे का इंतजार शुरू हो जाता है। इस पूरी आत्मघाती प्रक्रिया में वे रसूखदार लोग शायद ही कभी पकड़े जाते हैं जिन्होंने उस अवैध निर्माण को अपनी राजनैतिक छतरी प्रदान की थी। इस व्यवस्था के बड़े खिलाड़ी हमेशा साफ बचकर निकल जाते हैं और बलि हमेशा सबसे छोटे स्तर के मोहरों की ही च?ती है। समय के साथ देश बदल गया तकनीक बदल गई सरकारें बदल गईं लेकिन हर त्रासदी के बाद मंत्रियों के आने वाले घिसे-पिटे बयान कभी नहीं बदले कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जब बिना अग्नि सुरक्षा एनओसी के आलीशान भवन चलते हैं जब अवैध मंजिलें खड़ी की जाती हैं जब विशाल सेतुओं का निरीक्षण केवल सरकारी कागजों पर ही सिमट कर रह जाता है तब मौत अचानक नहीं आती बल्कि उसे बाकायदा पूरे सम्मान के साथ बुलाया जाता है। इन अमानवीय मौतों को दुर्घटना कहना एक बहुत बड़ा राष्ट्रीय आत्मछल है क्योंकि इनके जन्म प्रमाण पत्र पर पहले से ही लालच भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मिलीभगत के अमिट हस्ताक्षर दर्ज होते हैं। जब तक समाज के ब? रक्षक और रसूखदार नीति निर्माता बचते रहेंगे और छोटे कर्मचारी बलि के बकरे बनते रहेंगे तब तक हर आग हर ढहती हुई इमारत और हर टूटता हुआ सेतु हमें सिर्फ एक ही कड़वा सच याद दिलाता रहेगा कि यहाँ केवल शव बदल जाते हैं लेकिन हमारी सड़ी-गली व्यवस्था वैसी ही बनी रहती है। शायद हमारे देश की सबसे बड़ी विभीषिका यही है कि चार दशक बीत जाने के बाद भी भोपाल का वह काला साया आज भी हमारे बीच से कहीं गया ही नहीं है।

लेखक- बृज खंडेलवाल, वरिष्ठ पत्रकार

सांगठनिक सहयोग और अजातशत्रु स्वभाव की अनूठी मिसाल राहुल जोशी

बाल्यावस्था से ही सनातन और हिंदुत्व के प्रति समर्पित विहिप के विभाग सह मंत्री राहुल जोशी ही हैं युवाओं के सच्चे प्रेरणास्रोत

विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक से लेकर विश्व हिंदू परिषद के नेता तक टीएनएफ टुडे पर पढिए वैचारिक प्रखरता के सिपाही राहुल जोशी का सफरनामा

राम मंदिर निधि समर्पण अभियान के जिला सहकोष प्रमुख से लेकर सफल व्यवसायी बनने तक अपनी विनम्रता से सबके प्रिय बने राहुल जोशी

सांगठनिक सहयोग और अजातशत्रु स्वभाव की अनूठी मिसाल जानिए क्यों हर छोटे बड़े कार्यकर्ता के सुख दुख में साथ खड़े रहते हैं राहुल जोशी

सियासी संघर्ष

राष्ट्र निर्माण और सनातन संस्कृति के संरक्षण की पावन यात्रा में जब एक ऐसे जुझारू और निष्ठावान युवा व्यक्तित्व की चर्चा होती है जिसने अपने छात्र जीवन से ही जन सेवा को अपना परम लक्ष्य मान लिया तो ताजनगरी आगरा के युवा राजनैतिक और सामाजिक क्षेत्रों में विश्व हिंदू परिषद के विभाग सह मंत्री राहुल जोशी का नाम अत्यंत आदर के साथ उभरकर सामने आता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रखर कार्यकर्ता रहे राहुल जोशी वर्तमान समय में हिंदुत्व के एक प्रखर वक्ता और ओजस्वी युवा नेता के रूप में स्थापित हैं। जिनका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सनातन और हिंदुत्व के प्रति जोश उमंग और उत्साह सदैव जाग्रत रहता है। अपनी वैचारिक प्रखरता के बाद भी उनका स्वभाव अत्यंत विनम्र सरल और सहज है जिसके कारण समाज का हर वर्ग उनका मुरीद है और वे इस राजनैतिक समर में एक अजातशत्रु के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं।

नेहरू युवा केंद्र से सफर की शुरुआत

आगरा के रहने वाले राहुल जोशी जी ने सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा की शुरुआत नेहरू युवा केंद्र संगठन से जुडकर पिछले 9 वर्षों के लंबे सेवाकाल में की थी। वे स्वयं नेहरू युवा मंडल कागारौल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे और वर्ष 2016 से 2018 तक उन्होंने नेहरू युवा केंद्र में ब्लॉक वॉलिंटियर्स के रूप में अपनी सेवाएं देकर क्षेत्र के असंख्य युवाओं को स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग के माध्यम से मुख्यधारा से जोडा और उन्हें स्वावलंबी बनाने में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई। इसके साथ ही छात्र जीवन से ही उनके भीतर व्यापार और स्वरोजगार को लेकर एक अद्भुत विजन रहा है जिसके फलस्वरूप आज वे होटल रेस्टोरेंट और कैफे जैसे कई सफल व्यवसायों का संचालन कर आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश कर रहे हैं।

विद्यार्थी परिषद की सांगठनिक यात्रा

राहुल जोशी के भीतर छिपी सांगठनिक क्षमता और प्रखर कूटनीति को निखारने का कार्य अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने किया था जहां उन्होंने वर्ष 2012 से 2020 तक लगभग आठ वर्षों तक निरंतर सक्रिय रहकर तहसील संयोजक जिला संयोजक विभाग संयोजक प्रांत एसएफडी प्रमुख और प्रांत कार्यकारिणी सदस्य के रूप में छात्र राजनीति को एक सकारात्मक दिशा प्रदान की। इसके उपरांत उन्होंने बजरंग दल में प्रांत विद्यार्थी प्रमुख के रूप में अपनी वैचारिक ऊर्जा का परिचय दिया। उनकी इसी सांगठनिक कुशलता को देखते हुए वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र में मोदी रथ के मुख्य समन्वयक का अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया था जिसे उन्होंने पूरी निष्ठा से निभाया। इसके अतिरिक्त वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की टोली में खेरागढ़ खंड के सह समन्वयक रहे और वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव व वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में सह समन्वयक के रूप में अपनी सांगठनिक विजय का परचम फहराया।

राहुल जोशी

राम मंदिर निधि में अहम भूमिका

वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश चुनाव के समय उन्होंने सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और राष्ट्रवाद का एक अद्भुत समन्वय स्थापित किया था।

अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण हेतु चलाए गए ऐतिहासिक राम मंदिर निधि समर्पण अभियान के समय राहुल जोशी को जिले के सहकोष प्रमुख जैसी अत्यंत संवेदनशील और उत्तरदायित्व से भरी जिम्मेदारी मिली थी जिसका उन्होंने पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपादन किया था। वे जिससे भी संबंध स्थापित करते हैं उसे जीवन भर पूरी आत्मीयता और सच्चाई से निभाते हैं और छोटे से लेकर बड़े नेताओं तक मधुर संबंध स्थापित करना उनका एक विशेष स्वाभाविक गुण है।

जिस भी संगठन या व्यक्ति को जहाँ भी उनकी आवश्यकता होती है राहुल जोशी जी अपनी संपूर्ण क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करके उसका सहयोग करने के लिए आधी रात को भी तत्पर रहते हैं।

नोट- सियासी सूरमा कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10+ सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नंबर 94123 59817 पर भेजें।

अनसुने प्रसंग

सुकरात की तीन कडवी कसौटियाँ और निंदा रस से मुक्ति का महामंत्र

महान यूनानी दार्शनिक सुकरात के पास प्रतिदिन अनेक लोग ज्ञान और जीवन की गुत्थियाँ सुलझाने आते थे। सुकरात का मानना था कि मनुष्य को अपनी वाणी और कानों का प्रयोग केवल सत्य और जन कल्याण के लिए ही करना चाहिए। उनके जीवन का यह प्रसंग आज की युवा पीढ़ी को व्यर्थ के संवाद और दूसरों की बुराई करने की आदत से दूर रहने का एक नया मार्ग दिखाएगा।

एक बार सुकरात के गुरुकुल में उनका एक परिचित व्यक्ति बहुत ही उत्सुकता के साथ आया। उसने आते ही सुकरात से कहा कि आचार्य क्या आपको पता है कि आज आपके एक परम मित्र के विषय में बाजार में लोग क्या बातें कर रहे हैं। सुकरात ने उस व्यक्ति की बात को बीच में ही विराम देते हुए बहुत ही शांत और गंभीर स्वर में कहा कि भाई तुम मुझे मेरे मित्र के विषय में जो भी बात बताने आए हो उसे सुनाने से पहले क्या तुमने उसे मेरी तीन विशेष कसौटियों पर परखा है। वह व्यक्ति सुकरात की इस बात को सुनकर विस्मित हो गया और उसने कहा कि मैंने तो ऐसी किसी कसौटी के विषय में कभी सोचा ही नहीं।

सुकरात ने मुस्कुराते हुए कहा कि मेरी पहली कसौटी सत्य की कसौटी है। तुम मुझे मेरे उस प्रिय मित्र के विषय में जो भी बात बताने जा रहे हो क्या तुम पूरी तरह आश्वस्त हो कि वह बात शत प्रतिशत सच है। उस व्यक्ति ने अपना सिर झुकाकर संकोच के साथ कहा कि मैंने स्वयं अपनी आँखों से तो ऐसा कुछ नहीं देखा है बल्कि मैंने तो यह बात बाजार में चलते हुए राहगीरों के मुख से सुनी है। सुकरात ने कहा कि इसका अर्थ यह हुआ कि तुम स्वयं भी नहीं जानते कि वह बात सच है या असत्य।

इसके पश्चात सुकरात ने अपनी दूसरी कसौटी के विषय में बताते हुए कहा कि मेरी दूसरी कसौटी भलाई की कसौटी है। तुम मेरे मित्र के विषय में जो समाचार मुझे सुनाने आए हो क्या उसमें मेरे मित्र की या समाज की कोई भलाई छिपी हुई है। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया कि नहीं यह तो उसकी एक कमजोरी की बात है। सुकरात ने पुनः गंभीर होकर कहा कि अब मेरी अंतिम कसौटी उपयोगिता की कसौटी है। क्या उस बात को सुनने से मेरा या तुम्हारा कोई लाभ होने वाला है या वह हमारे लिए उपयोगी है। उस व्यक्ति ने कहा कि आचार्य इस बात की हमारे जीवन में कोई उपयोगिता नहीं है।

सुकरात ने उस व्यक्ति के कंधे पर अपना हाथ रखा और शांत भाव से कहा कि मेरे भाई तुम जो बात मुझे बताने आए हो वह न तो पूरी तरह सच है न ही उसमें किसी की भलाई छिपी है और न ही वह हमारे लिए किसी काम की है। फिर ऐसी व्यर्थ और दुर्भावना से भरी बात को कहकर तुम अपने मुख को और उसे सुनकर मैं अपने कानों को क्यों अपवित्र करूँ। सुकरात की यह अद्भुत और तार्किक बात सुनते ही उस व्यक्ति का सारा उत्साह पल भर में शांत हो गया और उसने अपनी भूल को स्वीकार करते हुए भविष्य में कभी किसी की निंदा न करने का संकल्प लिया।

सीख और संदेश

यह अत्यंत पावन प्रसंग हमें यह दिव्य सीख देता है कि जीवन में किसी भी व्यक्ति के विषय में कोई भी विचार बनाने या किसी की कही सुनी बात पर भरोसा करने से पहले उसे सत्य भलाई और उपयोगिता की कसौटी पर अवश्य परखना चाहिए। दूसरों की निंदा करने और व्यर्थ की गपशप में समय नष्ट करने से मनुष्य की अपनी मानसिक ऊर्जा समाप्त होती है और समाज में अविश्वास बढता है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 10 जून 2026 बुधवार ज्येष्ठ कृष्ण दशमी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्या दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष मिथुन सिंह तुला और धनु राशि के जातकों का आत्मबल और मानसिक स्वास्थ्य बहुत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन साक्षात बुद्धि के प्रदाता भगवान गणेश जी की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन विघ्नहर्ता को दूर्वा अर्पित करना और हरे रंग के वस्त्र धारण करना जीवन में असीम मानसिक शांति व्यापारिक स्थिरता आरोग्यता और पारिवारिक सुख समृद्धि में भारी वृद्धि लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठा में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सोचे हुए सभी सरकारी काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान गणेश जी को मोदक अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। मुख्य द्वार पर शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। किसी गरीब महिला को हरी मूंग की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। भगवान गणेश जी के सम्मुख शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। शिव चालीसा का पाठ करें जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज और पीने के पानी की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बडा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। कन्याओं को फल खिलाएं जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बडा आर्थिक नुकसान उठाना पड सकता है। भगवान गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बडा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पडी के कोई बडा आर्थिक व्यवहार न करें। मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुडने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। लक्ष्मी नारायण के मंदिर में घी का दीपक जलाएं जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बडी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। किसी गरीब महिला को भोजन का दान करें जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बडा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बडी राहत मिलेगी। भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के मंदिर में फल अर्पित करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन घर के उत्तर पूर्व कोण यानी ईशान कोण में मिट्टी के पात्र में थोड़ा सा गंगाजल रखकर उसमें तुलसी का एक पत्ता डालने से घर का भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात लक्ष्मी नारायण की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढती रहती है।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में

लापरवाही नहीं होगी बर्दास्त

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली अर्थात आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त फीडबैक की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कड़े तेवर अपनाते हुए स्पष्ट किया कि आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि पोर्टल पर त्रुटियुक्त या फर्जी आख्या अंकित की गई तो संबंधित के खिलाफ कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। समीक्षा के दौरान गुणवत्तायुक्त आख्या न पाए जाने पर सीधे जिला स्तरीय अधिकारी और विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता सिंचाई और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं दूसरी ओर जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में शिकायतकर्ता की संतुष्टि के मामले में लगातार शीर्ष पर रहने पर जिलाधिकारी ने उनकी पीठ थपथपाई और सराहना की। जिला आपूर्ति कार्यालय में प्राप्त एक सौ छिहत्तर शिकायतों में से एक सौ बहत्तर शिकायतकर्ताओं ने निस्तारण पर पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की है जिस पर जिलाधिकारी ने अन्य अधिकारियों को भी इससे प्रेरणा लेने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतकर्ता से फोन पर वार्ता करें और मौके पर जाकर स्थलीय जांच करते हुए फोटोग्राफ सहित स्पॉट मेमो तैयार करें। इसके बाद ही संतुष्टि अथवा असंतुष्टि की स्थिति स्पष्ट करते हुए आख्या पोर्टल पर अपलोड की जाए। सभी अधिकारी अपने अधीनस्थों द्वारा अपलोड की जा रही आख्याओं को अनिवार्य रूप से क्रॉस चेक करें। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकांश असंतुष्टि के मामले चकरोड पैमाइश, सीमा चिन्हांकन तथा चकरोड पर मिट्टी कार्य से संबंधित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने ऐसे सभी मामलों को सूचीबद्ध कर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, डूडा, जिला पंचायतराज, जल निगम, अल्पसंख्यक कल्याण और जिला दिव्यांग सशक्तिकरण आदि विभागों के असंतुष्टि प्रकरणों पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप वर्मा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक पूजा यादव, अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल अमरेंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्रपाल, अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए रेनू कुमारी, उपायुक्त मनरेगा रामायन सिंह यादव, एआरटीओ आलोक अग्रवाल, जिला पंचायत राज अधिकारी मनीष कुमार सहित सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार और खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा बैठक लेते जिलाधिकारी।

मलिन बस्तियों में दी योजनाओं की जानकारी

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशानुसार गैदा नगर व नागर बस्ती बोदला बिचपुरी की मलिन बस्तियों में विशेष जनसम्पर्क एवं जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। %सरकार आपके द्वार% के रूप में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम के तहत बस्तियों में जाकर आमजन की समस्याएं सुनी गईं और उनके त्वरित निदान के लिए आवश्यक परामर्श दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं, आशा, एएनएम और अध्यापकों को सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ताकि वे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्तियों को इसका लाभ दिला सकें।

मुहिम के दौरान मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के बारे में बताया गया जिसके तहत माता-पिता दोनों अथवा किसी एक को खो चुके बच्चों, तलाकशुदा या परित्यक्ता महिलाओं के बच्चों, बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों, भिक्षावृत्ति व वेश्यावृत्ति में शामिल परिवारों के बच्चों तथा ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता जेल में हैं, उन्हें लाभान्वित किया जाता है। पात्रता की श्रेणी में आने वाले अधिकतम दो बच्चों को प्रति बालक या बालिका पच्चीस सौ रुपये की मासिक सहायता धनराशि प्रदान की जाती है। इसके लिए परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम होनी चाहिए, हालांकि माता-पिता दोनों को खो चुके अनाथ बच्चों पर आय सीमा की यह शर्त लागू नहीं होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के विषय में जागरूक किया गया जिसका उद्देश्य बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा की स्थिति सुदृढ़ करना, कन्या भ्रूण हत्या रोकना, समान लिंगानुपात स्थापित करना और बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करना है। इस योजना के अंतर्गत छह विभिन्न श्रेणियों में कुल पच्चीस हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती है जिसमें बालिका के जन्म पर पांच हजार, एक वर्ष के पूर्ण टीकाकरण पर दो हजार, कक्षा एक में प्रवेश पर तीन हजार, कक्षा छह में प्रवेश पर तीन हजार, कक्षा नौ में प्रवेश पर पांच हजार तथा कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा या दो वर्षीय डिप्लोमा में प्रवेश लेने पर सात हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में भेजी जाती है।

जागरूकता मुहिम में पति की मृत्युपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभ भी गिनाए गए जिसके तहत उत्तर प्रदेश की मूल निवासी विधवा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर महीने एक हजार रुपये की धनराशि पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जा रही है।

इस योजना के लिए महिला की आयु अठारह वर्ष से अधिक होनी चाहिए और परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही आवेदिका को केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य पेंशन योजना का लाभ न मिल रहा हो और उनका बैंक खाता पहचान हेतु लिंक होना अनिवार्य है।

अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष जिले की उनहत्तर हजार सात सौ पंद्रह महिलाओं को इस निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है। इस प्रकार सभी प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर बस्तियों में संवाद कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

मलिन बस्ती में गरीब परिवारों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देती टीम

जनगणना कार्य पूरा करने पर सम्मान

आगरा। जनपद में जनगणना संबंधी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर छत्ता जोन के राजस्व निरीक्षक सपन कुमार, सुपरवाइजरों और प्रगणकों को प्रभारी जनगणना अधिकारी नीलम तिवारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नीलम तिवारी ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण एवं विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। छत्ता जोन के राजस्व निरीक्षक सपन कुमार के कुशल नेतृत्व तथा सुपरवाइजरों और प्रगणकों की मेहनत, लगन और समर्पण के परिणामस्वरूप ही यह जनगणना कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न हुआ है।

प्रभारी जनगणना अधिकारी नीलम तिवारी ने सम्मानित कार्मिकों के उत्कृष्ट कार्य की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता के साथ शासकीय दायित्वों के निर्वहन की अपेक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली अन्य कार्मिकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

मार्ग का हुआ भूमि पूजन

आगरा। एत्मादपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेशनल हाईवे दो से सीएचसी होते हुए एत्मादपुर कुबेरपुर रोड की ओर जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय राज्यमंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल एवं एत्मादपुर विधायक डॉक्टर धर्मपाल सिंह ने विधिवत पूजा अर्चना कर भूमि पूजन किया तथा विकास कार्य का शुभारंभ किया। इस सड़क निर्माण कार्य की लंबाई आठ सौ पचास मीटर, चौड़ाई चार मीटर तथा कुल लागत त्रेसठ लाख पैंतालीस हजार रुपये है। इसके साथ ही लगभग दो सौ मीटर इंटरलॉकिंग कार्य भी कराया जाएगा जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार जनहित एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं जिससे आमजन को सुविधाएं प्राप्त होती हैं और क्षेत्र की प्रगति को नई दिशा मिलती है। विधायक डॉक्टर धर्मपाल सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा विकास को नई गति प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने एत्मादपुर क्षेत्र में आयोजित होने वाले लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जयंती समारोह में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने समाज बंधुओं एवं क्षेत्रवासियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित करते हुए समारोह को भव्य एवं सफल बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने विकास कार्य के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सड़क निर्माण के भूमि पूजन के अवसर पर पूजा अर्चना करते केंद्रीय राज्यमंत्री और विधायक का दृश्य।

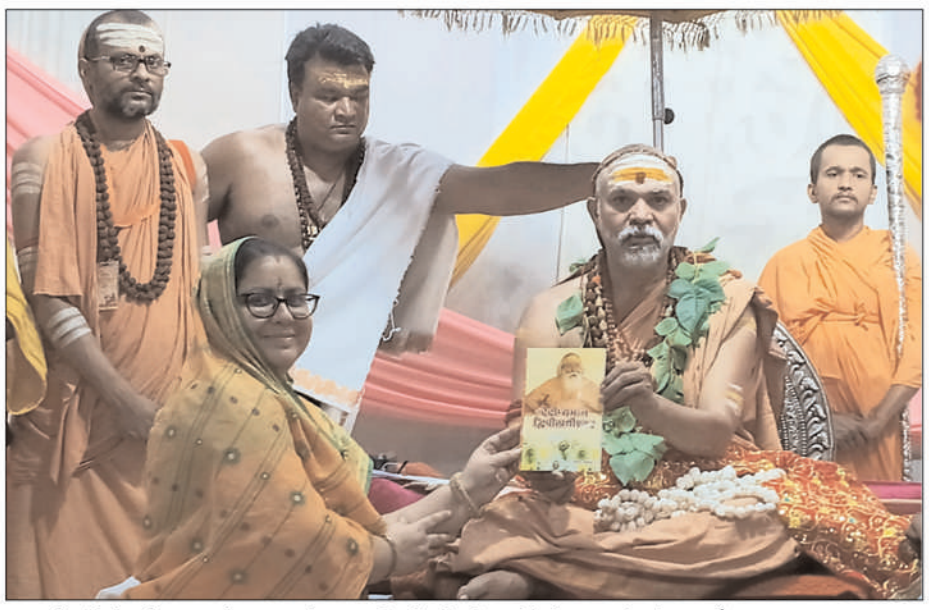

ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की जीवनी का विमोचन करते शंकराचार्य।

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती की जीवनी का हुआ भावपूर्ण विमोचन

आगरा। आगरा में ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की जीवनी देदीप्यमान द्विपीठाधीश्वर का भावपूर्ण विमोचन संपन्न हुआ। अपनी इक्यासी दिवसीय गविष्ठि यात्रा के दौरान आगरा पहुँचे ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने इस पुस्तक का विमोचन कर इसे जनमानस को समर्पित किया। इस गरिमामयी अवसर पर जीवनी लेखिका डॉक्टर दीपिका उपाध्याय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्मलीन द्विपीठाधीश्वर के विराट व्यक्तित्व और उनके कृतित्व को इतने कम पृष्ठों में समेटना वास्तव में संभव न था। उन्होंने कहा कि संन्यासी कभी अपने लिए नहीं जीता, उसका संपूर्ण जीवन धर्म की स्थापना और समाज के कल्याण के लिए ही समर्पित होता है। उन्होंने संन्यास के पथ पर माताओं के त्याग को रेखांकित करते हुए कहा कि एक संन्यासी के त्याग के पीछे उसकी माता का छिपा हुआ त्याग किसी को दिखाई नहीं देता जो अपने हृदय पर पत्थर रखकर अपने प्राणप्रिय पुत्र को उस कठिन मार्ग पर भेज देती है जहां न भोजन का ठिकाना होता है और न रहने का। ऐसी ही महान माताओं के भावों की सुंदर अभिव्यक्ति यह पुस्तक देदीप्यमान द्विपीठाधीश्वर है।

लेखिका ने आगे कहा कि जो धर्म आज हमारी पहचान है और हमारे संस्कारों का मूल है, उस धर्म की रक्षा इन्हीं शंकराचार्यों ने की है। यदि आज हम अपने धार्मिक रीति-रिवाजों, धर्म ग्रंथों तथा संस्कृति से जीवंत रूप में जुड़े हैं तो वह शंकराचार्य तथा उस महान परंपरा के संन्यासियों के कारण ही संभव हो सका है। इतिहास के पन्नों को साझा करते हुए उन्होंने विजयनगर साम्राज्य की स्थापना का वृत्तांत सुनाया।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार दक्षिण भारत के वारंगल राज्य पर मुस्लिम आक्रमणकारियों ने हमला कर दिया था और राजा के वीरगति प्राप्त करने के बाद आक्रांताओं ने उनके दो किशोर पुत्रों को बंदी बनाकर उनका जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया था।

कुबेरपुर तक सिटी बस से पहुँची मेयर और पार्षद

आगरा। अध्ययन भ्रमण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने निजी वाहनों के बजाय सिटी बस से यात्रा कर सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया। महापौर एवं पार्षदगण सिकंदरा स्थित गुरुद्वारा परिसर से सिटी बस में सवार होकर कुबेरपुर स्थित इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी पहुँचे। महापौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग से ईंधन की बचत के साथ-साथ ट्रैफिक और वायु प्रदूषण में भी कमी लाई जा सकती है। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से भी अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रकाश केसरवानी, शरद चौहान, अनुराग चतुर्वेदी, हेमंत प्रजापति, अमित सिंह पटेल, मीनाक्षी वर्मा, प्रवीणा रजावत, विक्रांत कुशवाह, भरत शर्मा, सुधीर राठौर, बद्री प्रसाद माहौर, हरिओम बघेल और अनुज शर्मा सहित अन्य पार्षद उपस्थित रहे।

वैक्सीनेशन में

लापरवाही वालों से मांगा स्पष्टीकरण

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद में संचालित एचपीवी टीकाकरण मुहिम की प्रगति की गहन समीक्षा करना तथा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियों का मूल्यांकन करना रहा। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इकाईवार एचपीवी वैक्सीनेशन के आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया गया। इस दौरान जिन स्वास्थ्य इकाइयों में टीकाकरण की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाई गई उनसे संबंधित अधिकारियों से तत्काल स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया तथा कार्य प्रणाली में अपेक्षित सुधार लाने के कड़े निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम किशोरियों को भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है इसलिए सभी संबंधित अधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मी इस मुहिम को पूर्ण गंभीरता एवं सक्रियता के साथ संचालित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि आगामी दिनों में शासन की मंशा के अनुरूप शत प्रतिशत एचपीवी वैक्सीनेशन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों, आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय से व्यापक जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं तथा प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि टीकाकरण सत्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट समय से उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुकेश गुप्ता द्वारा एचपीवी टीकाकरण मुहिम को प्रभावी रूप से संचालित करने हेतु विभागीय समन्वय, जनजागरूकता गतिविधियों तथा विद्यालय स्तर पर अधिकाधिक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। इससे पूर्व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा एचपीवी वैक्सीनेशन की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों, चुनौतियों एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी किया गया। साथ ही कम प्रगति वाली इकाइयों को विशेष रणनीति बनाकर कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी चिकित्सा अधीक्षकों एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से कड़ी अपेक्षा की कि जनपद में कोई भी पात्र किशोरी एचपीवी टीकाकरण से वंचित न रहे तथा इस मुहिम को जनभागीदारी के माध्यम से पूरी तरह सफल बनाया जाए। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर उपेंद्र कुमार तथा अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विकास भवन सभागार में एचपीवी टीकाकरण मुहिम की समीक्षा बैठक लेतीं मुख्य विकास अधिकारी।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 8191900160, E mail: contact@tnftoday.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

गविष्ठि यात्रा के स्वागत में उमड़ा जनसमर्थन

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। ज्योतिर्मठाधीश्वर जगदुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज द्वारा संचालित इक्यासी दिवसीय गविष्ठि यात्रा के अंतर्गत सोमवार को सेंट्रल पार्क, आवास विकास कॉलोनी सिकंदरा योजना में भव्य स्वागत एवं जनजागरण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गो भक्तों, संत महात्माओं, समाजसेवियों, शिक्षकों, युवाओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों ने भाग लिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि गो संरक्षण भारतीय संस्कृति, कृषि व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला है। गो रक्षा केवल कोई धार्मिक विषय नहीं है बल्कि यह पूरे राष्ट्र और समाज के हित से जुड़ा एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है।

इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। मुस्लिम समाज के लोगों ने गाय को राष्ट्रमाता घोषित किए जाने के समर्थन में पोस्टर प्रदर्शित कर सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता का एक बड़ा संदेश दिया।

मुस्लिम समाज ने भी गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग का किया समर्थन

उपस्थित जनसमूह ने इस अनोखी पहल का दिल से स्वागत करते हुए इसे समाज को जोड़ने वाला बेहद सकारात्मक प्रयास बताया। वक्ताओं ने आगे कहा कि गविष्ठि यात्रा का मुख्य उद्देश्य समाज में गो संवर्धन, गो रक्षा, सनातन सांस्कृतिक मूल्यों तथा राष्ट्रीय चेतना के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने गो संरक्षण एवं सामाजिक सद्भाव को मजबूत बनाने हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्राचीन कैलाश मंदिर के महंत गौरव गिरी महाराज, महंत सुभाष गिरी महाराज, केशव गिरी महाराज, प्राचीन रावली मंदिर के महंत अभिषेक कृष्ण पाराशर, प्राचीन भैरव मंदिर के पुजारी पम्मी बाबा, राहुल चतुर्वेदी, संजय यादव, अमित जादौन, कुलदीप यादव, लंकेश दीपक सारस्वत, नकुल सारस्वत, गब्बर राजपूत, मयंक उपाध्याय, कशिश उपाध्याय, सैफ अली अब्बास, सलमान कुरेशी, जीशान कुरैशी, रिजवान खान, अंसार, शाहिद खान, इरफान अब्बास, अरमान, सतीश यादव, विधायक शर्मा, शेखर उपाध्याय, हर्ष उपाध्याय, पंकज शर्मा, अरुण, अनिल, संदीप यादव एवं राजेश सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर मदन मोहन शर्मा ने सभी अतिथियों, संत महात्माओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गो सेवकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गो संरक्षण और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह गविष्ठि यात्रा समाज में जागरूकता, एकता और सांस्कृतिक चेतना को एक नई दिशा प्रदान कर रही है।

सेंट्रल पार्क में गविष्ठि यात्रा के स्वागत में उमड़े गो भक्त।

गहरे कुएं में गिरी महिला का सुरक्षित रेस्क्यू

आगरा। जनपद के बाह क्षेत्र में एक महिला अचानक सौ फीट गहरे कुएं में गिर गई जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा। रेस्क्यू यूनिट ने सबसे पहले कुएं में मौजूद बेहद जहरीली मीथेन गैस को पानी की बौछार कर निष्क्रिय किया। इसके बाद फायरमैन अमरजीत चौधरी ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डाली और ब्रीदिंग एपेरेटस सेट पहनकर हार्नेस व रस्सी के सहारे गहरे कुएं के अंदर प्रवेश किया। उन्होंने कुएं की तली में फंसी महिला को मजबूती से बांधा और टीम की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके तुरंत बाद महिला को एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाह भेजा गया जहां उसका उपचार चल रहा है। रेस्क्यू टीम की इस त्वरित और जांबाज कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की है।

थाना पुलिस ने दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

● टीनएफ टुडे ●

फतेहाबाद। थाना पुलिस ने सोमवार को क्षेत्र में चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक बाल अपचारी सहित दो वाहन चोरों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि सोमवार को वे पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के मद्देनजर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि दो शातिर युवक चोरी की बाइक और अवैध हथियार के साथ निबोहरा अंडरपास कट पर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी और घेराबंदी करते हुए एक बाल अपचारी सहित दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा व दो कारतूस बरामद किए गए।

पूछताछ में पकड़े गए मुख्य आरोपी ने अपना नाम मोहित पुत्र नारायण सिंह निवासी करीलकी, राजाखेड़ा, राजस्थान बताया।

बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो मोहित ने कुबूल किया कि उसने अपने बाल अपचारी साथी के साथ मिलकर करीब एक माह पूर्व यह बाइक वृंदावन क्षेत्र से चोरी की थी। पुलिस के हाथों पकड़े जाने के डर से दोनों ने मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट को खोलकर कहीं दूर फेंक दिया था और इसे बेचने की फिराक में घूम रहे थे। शातिर चोरों को दबोचने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र के साथ सत्यभान सिंह, सुमित कुमार, सागर सिंह, शैलेंद्र सिंह और कांस्टेबल प्रशांत कुमार व आदेश कुमार मुख्य रूप से शामिल रहे।

दुकान पर बैठे युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

खेरागढ़। थाना क्षेत्र के चीत गांव में दुकान पर बैठे एक युवक पर कुछ दबंगों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को दी गई तहरीर में पीड़ति के पिता रामनाथ ने बताया कि उनका सत्ताइस वर्षीय बेटा अजीत गांव में एक दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान गांव के ही मुनेंद्र, श्रीराम और राजवीर वहाँ आए और बिना किसी कारण के गाली-गलौज करने लगे। जब अजीत ने इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच आरोपी श्रीराम ने अजीत पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गया। युवक की चीख-पुकार सुनकर जब तक ग्रामीण मौके पर एकत्र हुए, तब तक तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहाँ से भाग निकले।

परिजन आनन-फानन में घायल अजीत को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेरागढ़ लेकर पहुँचे जहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए एसएन इमरजेंसी के लिए रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विवाहिता ने फंदे पर लटककर की आत्महत्या

● टीनएफ टुडे ●

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया, पति गए थे झांसी, घर में अकेले थे बच्चे, पड़ोसियों की सूचना पर पहुँची पुलिस

खेरागढ़। थाना क्षेत्र की बांके बिहारी कॉलोनी में रविवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ एक विवाहिता ने घर के आंगन में छत पर लगे लोहे के जाल से साड़ी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है।

जानकारी के अनुसार तीस वर्षीय अंजना पत्नी शेखावत मूल रूप से धौलपुर के गढ़ी सांधरा की निवासी थीं और वर्तमान में बांके बिहारी कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रह रही थीं। उनके पति शेखावत प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं और रविवार सुबह किसी जरूरी काम से झांसी गए हुए थे।

घर में अंजना के साथ उनके दो छोटे बच्चे चार वर्षीय प्रियांशु और दो वर्षीय प्रियांशी मौजूद थे। बताया जाता है कि घटना के समय दोनों मासूम बच्चों को इस बात का अहसास तक नहीं था कि उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। गली में खेल रहे कुछ बच्चों की नजर जब अचानक घर के अंदर पड़ी तो उन्होंने तुरंत पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। पड़ोसी जब मौके पर पहुँचे तो विवाहिता फंदे पर लटकी हुई मिलीं। इसके बाद तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी खेरागढ़ हरीश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँच गए। उधर घटना की जानकारी मिलते ही मायके और ससुराल पक्ष के परिजन भी वहां आ गए जिससे कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी खेरागढ़ हरीश कुमार ने बताया कि आत्महत्या के पीछे का कारण अभी पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की बारीकी से जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

टीनशेड से भैंस खोल ले गए चोर

पिनाहट। थाना क्षेत्र के अमर सिंह का पुरा गांव में अज्ञात चोर एक किसान की भैंस चोरी कर ले गए। घटना सात जून की मध्य रात्रि की बताई जा रही है। पीड़ति किसान ने सोमवार को थाने पहुँचकर पुलिस को तहरीर दी है और भैंस बरामद कर चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अमर सिंह का पुरा गांव के निवासी सचिन पुत्र राजेश ने बताया कि सात जून दो हजार छब्बीस की मध्य रात्रि को उसकी भैंस खेत पर बने टीनशेड के नीचे बंधी हुई थी। सुबह करीब तीन बजे जब वह किसी काम से खेत पर गया तो उसे भैंस वहां से गायब मिली।

खूंटे से भैंस गायब देख किसान के होश उड़ गए। पीड़ति ने बताया कि उसने अपने स्तर पर आसपास के तमाम गांवों और जंगलों में भैंस को काफी खोजा लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं लग सका। कोई अज्ञात चोर रात के अंधेरे में चुपके से भैंस को खोलकर अपने साथ ले गए हैं।

पीड़ति सचिन ने आठ जून को थानाध्यक्ष पिनाहट को लिखित प्रार्थना पत्र देकर मामले की रिपोर्ट दर्ज करने और भैंस बरामद कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सास और ननद को पीटकर किया लहूलुहान

पिनाहट। बसई अरेला थाना क्षेत्र के कांकरखेडा नयापुरा गांव में हिस्सा बंटवारे के विवाद को लेकर बहू के मायके वालों ने ससुराल में घुसकर जमकर तांडव मचाया। हमलावरों ने घर में रखी गृहस्थी के सामान में तोड़फोड़ की और सास व ननद को ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटकर लहूलुहान कर दिया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने दोनों घायल महिलाओं को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है।

कांकरखेडा नयापुरा गांव के निवासी लटूरी सिंह के बेटे सतेंद्र की शादी करीब एक साल पहले बाह थाना क्षेत्र के साबराह पुरा फरेरा गांव में हुई थी। पिछले कुछ दिनों से घर में जमीन और हिस्से के बंटवारे को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था। लटूरी सिंह अपनी पत्नी माला देवी और अन्य बेटों के साथ खेत पर बने मकान में रह रहे थे। इन दिनों गर्मी की छुट्टियों के कारण उनकी विवाहित बेटी शिवकुमारी भी मायके आई हुई थी। रविवार शाम करीब सात बजे बहू के मायके पक्ष से टेंपो में सवार होकर आठ-दस लोग अचानक वहां आ धमके। आरोप है कि इन लोगों ने आते ही घर में घुसकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया और वहां लगे टीनशेड व बर्तन तोड़ डाले। जब घर में मौजूद महिलाओं ने इसका विरोध किया तो हमलावरों ने माला देवी और शिवकुमारी पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस अचानक हुए हमले में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। घर से आ रही चीख-पुकार सुनकर जब तक आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हुए, तब तक हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए वहाँ से भाग निकले। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और घायल माला देवी व शिवकुमारी को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां दोनों का उपचार चल रहा है। थानाध्यक्ष बसई अरेला प्रशांत सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद का है। अभी तक पीड़ति पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। पुलिस को तहरीर मिलते ही मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

काठ के खोखे में लगी आग

फतेहपुर सीकरी। थाना क्षेत्र के जौताना गांव में रविवार की आधी रात के बाद एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहाँ घर के पास रखे एक काठ के खोखे की दुकान में अज्ञात तत्वों ने आग लगा दी। इस अग्निकांड में दुकान के अंदर रखा हजारों रुपये का परचून का सामान और नकद रुपये जलकर पूरी तरह खाक हो गए। घटना की जानकारी होने पर पीड़ति दुकानदार ने स्थानीय थाना पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

हजारों का परचून सामान और नकदी जलकर खाक

थाना क्षेत्र के गांव जौताना निवासी नेकराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके घर से मात्र सौ मीटर की दूरी पर परचून के सामान का एक काठ का खोखा रखा हुआ है। इसी दुकान से परचून का सामान बेचकर उनके परिवार का गुजर-बसर होता है। पीड़ति के अनुसार रविवार की आधी रात के बाद कुछ अज्ञात चोरों ने दुकान चोरी करने के इरादे से उसके काठ के खोखे का ताला तोड़ने का प्रयास किया था। जब काफी कोशिशों के बाद भी खोखे का मजबूत ताला नहीं टूटा तो चोरों ने झुंझलाहट में आकर खोखे में आग लगा दी। काठ का खोखा होने के कारण आग ने तुरंत विकराल रूप धारण कर लिया। इस आगजनी में खोखे के अंदर रखा हजारों रुपये का पूरा परचून का सामान और दो हजार रुपये की नकदी जलकर राख हो गई। पीड़ति दुकानदार ने पुलिस को बताया कि काठ के खोखे के बिल्कुल पास ही एक सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है जिसकी फुटेज खंगालने पर वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान आसानी से हो सकती है। पुलिस तहरीर के आधार पर सीसीटीवी फुटेज खंगालने और मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

घर में घुसकर बारह लाख की चोरी का आरोप

● टीनएफ टुडे ●

फतेहाबाद। थाना क्षेत्र के नयापुरा खंडेर गांव में रविवार की रात जमीनी विवाद को लेकर अपने ही परिवार के विपक्षियों पर घर में घुसकर बारह लाख रुपये की चोरी करने का सनसनीखेज आरोप लगा है। घटना की सूचना मिलते ही फतेहाबाद पुलिस तुरंत फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुँच गई और साक्ष्य संकलन की कार्रवाई शुरू की। हालांकि पुलिस शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इस पूरी घटना को संदिग्ध मानकर चल रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नयापुरा खंडेर गांव के निवासी मोहन सिंह पुत्र मानसिंह ने रविवार की रात्रि करीब डेढ़ बजे पुलिस को सूचना दी कि उसके घर में दीवार के सहारे नौ-दस लोग जबरन अंदर घुस आए। इन लोगों ने कमरे का ताला तोड़ा और वहां रखे संदूक से बारह लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ति का कहना है कि आहट होने पर जब उसकी और उसकी पत्नी हीरा देवी की आंख खुली तो आरोपियों ने उनका मुंह दबा दिया और नकदी लेकर फरार हो गए। पीड़ति ने इस बड़ी चोरी का आरोप अपने ही परिवार के लोगों पर लगाया है। बताया गया है कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर काफी समय से पुराना विवाद चला आ रहा है। पीड़ति मोहन सिंह के अनुसार उसने घटना को अंजाम देने वाले दो लोगों को पहचान भी लिया है। लूट और चोरी की इस बड़ी सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र फॉरेंसिक टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। जांच के दौरान पीड़ति मोहन सिंह के घर पर ही लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस की सुई खुद पीड़ति पक्ष की तरफ ही घूम गई है और पूरा मामला संदेह के घेरे में आ गया है। फिलहाल पुलिस पीड़ति के घर पर लगे सीसीटीवी फुटेज सहित तमाम अन्य पहलुओं पर बेहद गहनता से जांच करने में जुटी हुई है। इस संबंध में एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वह स्वयं फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुँचे थे। जिन विपक्षी लोगों पर चोरी का आरोप लगाया जा रहा है वे पीड़ति के सगे रिश्तेदार और परिवार के ही लोग हैं। दोनों पक्षों में पहले से ही जमीन का गंभीर विवाद चल रहा है जिसके कारण चोरी की यह घटना पूरी तरह संदिग्ध नजर आ रही है। पुलिस हर एंगल से मामले की बारीकी से जांच कर रही है और सच जल्द ही सामने आ जाएगा।

चोरी की सूचना के बाद नयापुरा खंडेर गांव में पीड़ति के घर जांच करने पहुंची पुलिस।

मानसी गंगा हादसे में मृत बच्चों के परिजनों को आर्थिक मदद देते समाजसेवी।

शासन ने दी आर्थिक मदद, ग्रामप्रधान ने बढ़ाए हाथ

● टीनएफ टुडे ●

पिनाहट। ब्लॉक के अंतर्गत थाना मनसुखपुरा क्षेत्र के कएडी गांव में गोवर्धन की मानसी गंगा में डूबकर जान गंवाने वाले दो बच्चों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस हृदयविदारक हादसे में अपने जिगर के टुकड़ों को खोने के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। बेहद खराब आर्थिक तंगी से जूझ रहे इन बेबस परिवारों की मदद के लिए कएडी गांव के प्रधान ने समाजसेवियों से आगे आने की अपील की थी। प्रधान की इस मार्मिक अपील पर एक स्थानीय समाजसेवी ने आगे बढ़कर पीड़ति परिवारों को सहयोग राशि प्रदान की है लेकिन शासन स्तर से अभी तक कोई सरकारी मदद न मिलने से परिजन बेहद चिंतित और परेशान हैं।

जानकारी के अनुसार कएडी गांव के निवासी प्रिंस और मनीष की बीते शनिवार को गोवर्धन स्थित मानसी गंगा में डूबने से असामयिक मौत हो गई थी। इस भीषण हादसे के बाद से दोनों ही परिवारों का हाल पूरी तरह बेहाल है। मृतक मनीष के पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है और अब घर के चिराग के बुझ जाने से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों बच्चों की माताएं रात-रात भर अपने बेटों को पुकारती रहती हैं जिससे पूरा माहौल गमगीन बना हुआ है। दोनों ही घरों की आर्थिक स्थिति पहले से ही बेहद दयनीय है। ग्राम प्रधान अजय कौशिक ने बताया कि दोनों परिवार इस समय भीषण संकट के दौर से गुजर रहे हैं। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्होंने क्षेत्र के सक्षम लोगों और समाजसेवियों से मदद की गुहार लगाई थी।

नेताओं की बेरुखी से ग्रामीणों में रोष

कएडी गांव में हुए इस बड़े हादसे को दो दिन का समय बीत चुका है लेकिन क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की बेरुखी से ग्रामीणों में खासा रोष देखने को मिल रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि दोनों बच्चों की मौत से पूरा गांव सदमे में है मगर दुख की इस घड़ी में सांत्वना देने के लिए क्षेत्र के विधायक या सांसद में से कोई भी राजनेता अभी तक पीड़ति परिवारों के घर शोक संवेदना व्यक्त करने नहीं पहुँचा है। चुनावी माहौल के बाद जनप्रतिनिधियों की यह बेरुखी चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रधान की इस पहल पर सोमवार को सुखभानपुरा गांव के वरिष्ठ समाजसेवी संतोष तोमर ने कएडी पहुँचकर दोनों पीड़ति परिवारों को ढांढस बंधाया और उन्हें तत्काल नकद आर्थिक सहयोग राशि सौंपी।

ग्राम प्रधान ने बताया कि हादसे के दो दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक शासन या जिला प्रशासन की ओर से पीड़ति परिवारों को कोई मुआवजा राशि नहीं मिली है जिससे परिजन आर्थिक संकट के कारण और अधिक परेशान हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पीड़ति परिवारों को जल्द से जल्द उचित आर्थिक मदद दिलाई जाए ताकि वे इस गहरे संकट से उबर सकें।

दौलताबाद एस्केप नाले से पोकलेन और जेसीबी मशीनों द्वारा निकाली सिल्ट।

सालों बाद हुई

दौलताबाद एस्केप की सफाई

● टीनएफ टुडे ●

अछनेरा। क्षेत्र में मानसून की दस्तक से पहले प्रशासन ने एक बेहद सराहनीय और बहुप्रतीक्षित कदम उठाया है। क्षेत्र के दौलताबाद एस्केप नाले की सालों बाद व्यापक स्तर पर सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। कई वर्षों से गाद और गंदगी जमा होने के कारण यह एस्केप पूरी तरह से अवरुद्ध हो चुका था जिसके चलते हल्की बारिश में भी दौलताबाद और आसपास के निचले इलाकों में भारी जलभराव हो जाता था। सिंचाई विभाग द्वारा समय रहते की गई इस सजग सफाई से इस बार मानसून के दौरान जलभराव की गंभीर समस्या से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

स्थानीय ग्रामीणों और किसानों के अनुसार दौलताबाद एस्केप की पिछले कई वर्षों से कोई सुध नहीं ली गई थी।

किसानों को जलभराव से मिलेगी बड़ी राहत

सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता द्वितीय स्पर्श अग्रवाल ने बताया कि नाले में भारी मात्रा में सिल्ट जमा होने एवं झुंड-मुंझ उग आने के कारण पानी की निकासी पूरी तरह ठप हो चुकी थी। इसके कारण बारिश के दिनों में पानी खेतों में भर जाता था जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था। इस बार सिंचाई विभाग द्वारा आधुनिक पोकलेन और जेसीबी मशीनों की मदद से नाले की पूरी सफाई करा दी गई है जिसके लिए ग्रामीणों ने विभाग का आभार व्यक्त किया है। वहीं जूनियर इंजीनियर रवेंद्र सिंह ने बताया कि बड़ौदा मशरकपुर नाले की भी पिछले तीन साल से सफाई नहीं होने से किसानों की सैकड़ों बीघा फसल प्रभावित हो रही थी जिसका सफाई कार्य अब तेजी से किया जा रहा है। जहां नाले की खुदाई होनी है वहां खुदाई करा दी गई है और सिल्ट निकालने का काम लगातार चल रहा है।

दूसरी ओर भाजपा नेता मोहन सिंह चहार ने बताया कि डब्ल्यू डी ड्रेन नाले की सफाई भी विगत चार साल से नहीं हुई थी। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी से मुलाकात की थी जिसके बाद अब नाले की सफाई का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

भाजपा नेता ने स्वयं मौके पर पहुँचकर कार्य का जायजा लिया और मौके पर मौजूद ठेकेदार को साफ चेतावनी दी कि सफाई के नाम पर अगर किसी भी प्रकार की खानापूर्ति की गई तो तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी।